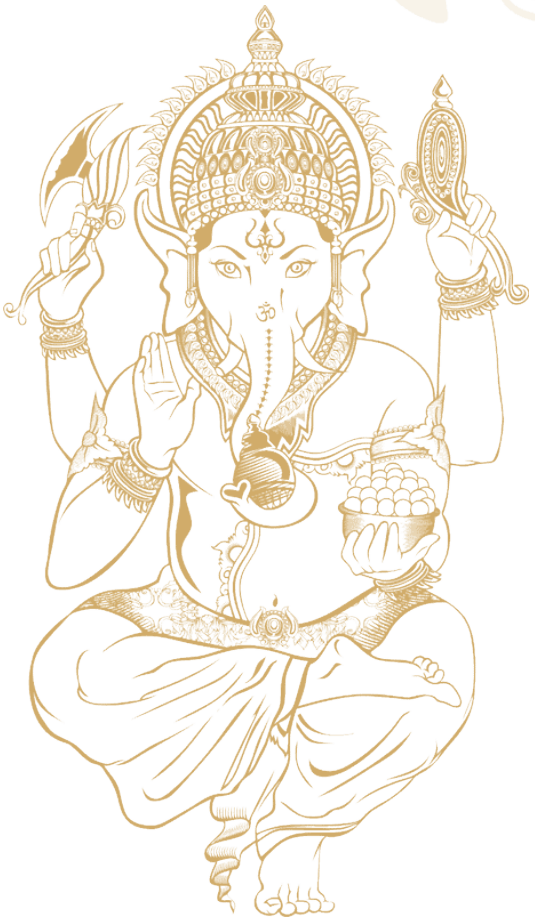

Aditya

29 Oct 2000

04:45 AM

Najibabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121753402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28-29/10/2000**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**04:45:00 घंटे**
इष्ट	55:44:01 घटी
स्थान	**Najibabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:37:00 उत्तर
रेखांश	78:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:28:16 घंटे
वेलान्तर	00:16:15 घंटे
साम्पातिक काल	06:58:41 घंटे
सूर्योदय	06:27:23 घंटे
सूर्यास्त	17:33:26 घंटे
दिनमान	11:06:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	11:58:31 तुला
लग्न के अंश	18:56:34 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सौभाग्य
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	18:56:34	314:24:22	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
सूर्य			तुला	11:58:31	00:59:57	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	नीच राशि
चंद्र			वृश्चि	01:40:09	12:47:02	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	नीच राशि
मंगल			कन्या	02:21:35	00:37:08	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
बुध	व	अ	तुला	14:32:12	01:16:36	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	मित्र राशि
गुरु	व		वृष	15:57:07	00:05:36	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	17:54:10	01:12:37	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	सम राशि
शनि	व		वृष	05:18:32	00:04:16	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	24:20:46	00:09:55	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	24:20:46	00:09:55	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	उच्च राशि
हर्ष			मक	23:02:01	00:00:07	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
नेप			मक	09:58:37	00:00:27	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	17:31:30	00:01:59	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			मिथु	19:38:13	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:49

लग्न-चलित

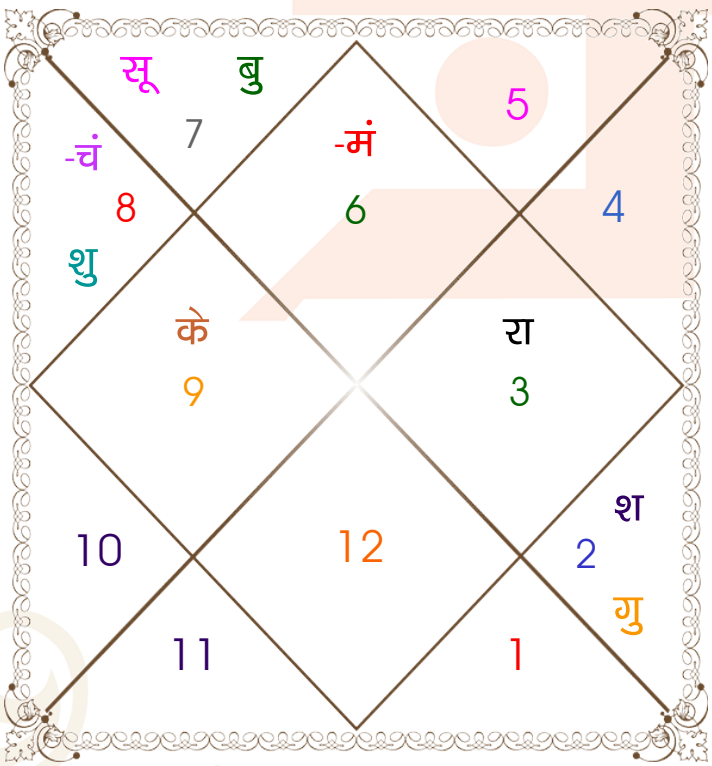

चन्द्र कुंडली

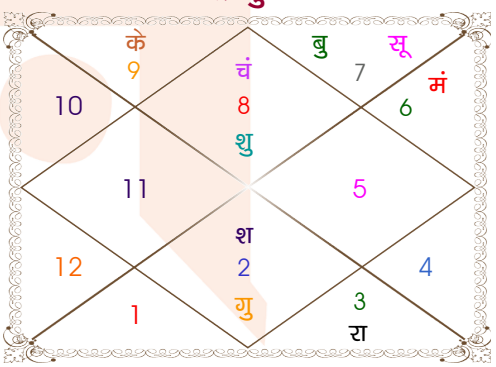

नवमांश कुंडली

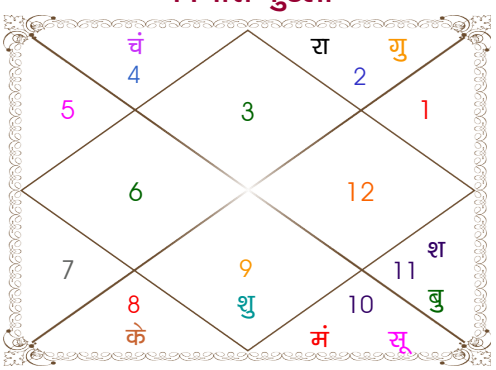

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 1 वर्ष 11 मास 29 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
29/10/2000		28/10/2002		28/10/2021		28/10/2038		28/10/2045	
28/10/2002		28/10/2021		28/10/2038		28/10/2045		28/10/2065	
	00/00/0000	शनि	31/10/2005	बुध	25/03/2024	केतु	26/03/2039	शुक्र	26/02/2049
	00/00/0000	बुध	10/07/2008	केतु	23/03/2025	शुक्र	25/05/2040	सूर्य	27/02/2050
	00/00/0000	केतु	19/08/2009	शुक्र	22/01/2028	सूर्य	30/09/2040	चंद्र	28/10/2051
	00/00/0000	शुक्र	18/10/2012	सूर्य	27/11/2028	चंद्र	01/05/2041	मंगल	27/12/2052
	00/00/0000	सूर्य	30/09/2013	चंद्र	28/04/2030	मंगल	27/09/2041	राहु	28/12/2055
	00/00/0000	चंद्र	02/05/2015	मंगल	26/04/2031	राहु	16/10/2042	गुरु	28/08/2058
	00/00/0000	मंगल	10/06/2016	राहु	12/11/2033	गुरु	22/09/2043	शनि	28/10/2061
	29/10/2000	राहु	17/04/2019	गुरु	18/02/2036	शनि	31/10/2044	बुध	28/08/2064
राहु	28/10/2002	गुरु	28/10/2021	शनि	28/10/2038	बुध	28/10/2045	केतु	28/10/2065

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
28/10/2065		28/10/2071		28/10/2081		28/10/2088		29/10/2106	
28/10/2071		28/10/2081		28/10/2088		29/10/2106		30/10/2120	
सूर्य	14/02/2066	चंद्र	28/08/2072	मंगल	26/03/2082	राहु	11/07/2091	गुरु	16/12/2108
चंद्र	16/08/2066	मंगल	29/03/2073	राहु	13/04/2083	गुरु	03/12/2093	शनि	30/06/2111
मंगल	22/12/2066	राहु	28/09/2074	गुरु	19/03/2084	शनि	09/10/2096	बुध	04/10/2113
राहु	16/11/2067	गुरु	28/01/2076	शनि	28/04/2085	बुध	29/04/2099	केतु	10/09/2114
गुरु	03/09/2068	शनि	28/08/2077	बुध	25/04/2086	केतु	17/05/2100	शुक्र	11/05/2117
शनि	16/08/2069	बुध	27/01/2079	केतु	22/09/2086	शुक्र	18/05/2103	सूर्य	28/02/2118
बुध	22/06/2070	केतु	28/08/2079	शुक्र	22/11/2087	सूर्य	11/04/2104	चंद्र	30/06/2119
केतु	28/10/2070	शुक्र	28/04/2081	सूर्य	29/03/2088	चंद्र	11/10/2105	मंगल	04/06/2120
शुक्र	28/10/2071	सूर्य	28/10/2081	चंद्र	28/10/2088	मंगल	29/10/2106	राहु	30/10/2120

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 2 वर्ष 0 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के तृतीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी साथ-साथ उदित था। आपके जन्मकाल के समन्वित ग्रह प्रभाव से यह परिलक्षित हो रहा है कि आप अध्ययनप्रिय है तथा आप सृजनात्मक लक्ष्य के प्रति सतत प्रयत्नशील तथा समर्पित प्राणी हैं। आपको इस प्रवृति को लाभजनक स्थिति में परिवर्तित करना चाहिए।

आप बुद्धिजीवी व्यक्ति है। परन्तु आपका चारित्रिक बल का महत्त्व प्रदर्शन आपके लिए व्यवधान कारक हो सकता है। आपकी सर्वत्र आलोचना होती है तथा आप जन्म सामन्य के दृष्टिकोण से पथभ्रष्ट होने के नाते आप इनकी श्रेणी में नहीं आते परिणाम स्वरूप अच्छी जामात के लोग आपको अपना प्रतिपक्षी (विरोधी) समझते है। आपके कुछ मित्रगण एवं आपके नौकर अधिक विरुद्ध एक जुट होकर आपको जन सामन्य की नजरों से पतित प्रमाणित करने का प्रयास कर सकते हैं। अतः आपको धैर्यपूर्वक एवं शान्त चित्त से अन्य के साथ अपना उत्तम व्यवहार बनाना होगा।

आपमें अन्य दुर्बलता यह है कि आप मध्यपान करने एवं संभोगात्मक प्रवृति से आकर्षित एवं वशीभूत हैं। आपको उत्तम स्वस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए इन आदतों को नियंत्रित करना होगा तथा सुव्यवस्थित पारिवारिक वातावरण को सुनिश्चित करना होगा। क्योंकि मुख्यतः आपकों इस बात का गर्व होगा कि आपकी पत्नी बुद्धिमति है तथा आपको अच्छी सन्तान का संयोग प्राप्त है।

आपको अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु अनावश्यक सम्बन्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। आपके उत्तम जीवन हेतु अच्छा वातावरण एवं कार्य कलाप अपनाना चाहिए। परन्तु वर्त्तमान काल आपको उदर विकार एवं मूर्च्छा जनित रोगों के प्रति अति संवेदनशील रहना होगा। आपको कतिपय संभावित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रवृति रखनी चाहिए। यथा टायफायड, पेचीश एवं बेहोशी मूर्छा जनित आदि रोग आपको स्तम्भित कर सकता है। आपको सतर्कता पूर्वक अतिरिक्त भोजनादि में शाकाहार ग्रहण करना चाहिए। यह आहार-विहार आपके लिए लाभप्रद सिद्ध है।

आप निश्चय ही धनी होकर सुखमय जीवन यापन कर सकते हों परन्तु आपको प्रयत्नशील रहना होगा। आपको नियमितता बरतनी होगी। सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। प्रायः आपका अस्थिर बुद्धि से अपनी ढुलमुल नीति के अनुसार कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए। आपको सर्वप्रथम गम्भीरता पूर्वक अपनी योजना एवं कार्यकलाप के प्रति विचार कर एकाग्रता पूर्वक निर्णयानुसार कार्याम्भ करें।

आपको शीघ्रतापूर्वक धन उपार्जन हेतु अतिरिक्त शक्ति सम्पन्न होना होगा। आप अनुकूल व्यवसायिक कार्यकलाप में धन का विनियोग कर सकते हैं। बहुधा आप ठोस व्यवसाय अपना सकते हैं। आप अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति उपेक्षात्मक आचरण का निर्माण करें। आपको अपनी लागत की वापसी हेतु किसी प्रकार की उद्घोषणा करने की आवश्यकता है।

आप भ्रमणशील प्रवृति के प्राणी है तथा बहुधा आप अपने निवास को परिवर्तित करते रहते हैं। कुछ भी हो आप अपनी परिवर्त्तनशील प्रवृति को अटल करें। यह आपके स्वभाव के लिए एक चाभी प्रमाणित होगा। आप अपने अस्थिर रहन-सहन की आदतों को अपूर्ण नहीं रखें अन्यथा यह आपको अति संचालित करता रहेगा। यदि आप अपने जीवन स्तर को उच्चता प्रदान करना चाहते हैं तो आप इस प्रकार की विशेषता का समावेश अपने जीवन में करे।

आपके लिए अंको में सर्वोत्तम अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। जीवन के लिए स्वाभाविक है। अंक 1 एवं 8 अंक त्याज्यनीय हैं।

आपके लिए रंग नीला, काला एवं लाल रंग अनुकूल नहीं है। आपको रंगों में पीला, सफेद, हरा एवं सूआपंखी रंग पूर्णतः अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।